राष्ट्रीय सहारा के मुख्य संवाददाता रत्नेश मिश्र को सम्मानित करते अनुराग ठाकुर

आर्गनाइजर के वरिष्ठ संवाददाता प्रमोद सैनी को सम्मानित करते अनुराग ठाकुर

पंजाब से आए जितिंद्र परवाज ने इश्क-मुहब्बत के जज्बातों को कुछ इस अंदाज में कहा- 'खाब में आकर बात वो जब कर जाते हैं, सारा कमरा खुशबू से भर जाते हैं। वहीं मशहूर शायर सिकंदर हयात गड़बड़ ने इश्क की दीवानगी का नफा-नुकसान कुछ इस तरह समझाया-

किसी का हुस्न आखिर जान का दुश्मन हो भी सकता है।
तुम्हारे जेल जाने का ये कारण हो भी सकता है।
मेरे बेटो हसीनों से जरा दूर ही रहना।

ये अंग्रेजी दवाएं हैं, रिएक्शन हो भी सकता है।। उन्होंने राजनीति और प्रशासन के भ्रष्टाचार पर कुछ इस तरह से व्यंग्य किया -

'नेता और पुलिस के सिपाही रोज नहाए गंगा में,
फिर भी मुझसे पूछ रहे हो गंगा मैली कैसे हुई'

मुशायरे में जाहिद मुजफ्फरनगरी, मोहम्मद अहमद, आजम हुसैन सहसवानी, अब्दुल्ला राज देवबंद, आरिफ देहलवी, मलिकजादा जावेद, रंजना हया, खालिद जाहिद, अशोक साहिल, सलीम अहमद सलीम, सुफियाम काजी खंडवा, अब्दुलराज देवबंदी, सर्वेश चंदौसवी सहित कई दूसरे शायरों ने भी गजलें पेश कीं।

हिन्दुस्तान में बतौर फीचर संपादक रहे स्व. प्रदीप संगम के पुत्र प्रियांक पुरस्कार ग्रहण करते हुए

सहारा उर्दू रोजनामा के सलीम सिद्दिकी को पुरस्कार देतीं महापौर रजनी अब्बी

हमारा समाज के संपादक खालिद अनवर को सम्मानित करते अनुराग ठाकुर।